IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, November 2023

महिला सशक्तिकरण : गॉधी की दृष्टि में

प्रोफेसर एन. पी. पाठक
विभागाध्यक्ष व्यावसायिक अर्थशास्त्र
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)

वन्दना मिश्रा
शोधार्थी व्यावसायिक अर्थशास्त्र
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)

शोध सारांश :-

पितृसत्तात्मक समाज अक्सर महिलाओं को अपने परिवार तक ही सीमित रहने के लिए उकसाता है। अपने पतियों या परिवार के अन्य पुरुष सदस्यों की कानूनी और प्रथागत अधीनता के तहत, यह स्वतंत्रता–पूर्व काल में भी प्रचलित थी। इसके विपरीत, मध्ययुगीन और ब्रिटिश काल की तुलना में वैदिक काल में महिलाओं को अधिक अधिकार और स्वतंत्रता प्राप्त थी। गांधी–पूर्व काल में लैंगिक असमानता और लैंगिक हिंसा सर्वव्यापी थी। महिलाओं को सभी बुराइयों की जड़ और पुरुषों के पतन के लिए जिम्मेदार माना जाता था। लेकिन 21वीं सदी में महिला सशक्तिकरण सबसे महत्वपूर्ण चिंताओं में से एक बन गया है और उसी दिशा में काम करने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं जैसे महिला आरक्षण विधेयक को कानून के रूप में लागू करना, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ जैसी विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सुकन्या समृद्धि योजना, मेधावी महिला छात्रों को छात्रवृत्ति आदि जैसे प्रोत्साहन दिए गए।

मुख्य शब्द :- महिला, सशक्तिकरण, गॉधी, दृष्टि, परिवार, स्वतंत्रता, पूर्व काल आदि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. डॉ. (सुश्री) अनुपमा कौशिक, लैंगिक हिंसा और लैंगिक समानता पर गांधी द्वारा एक सिंहावलोकन महिलाओं पर लेख।
2. चोपड़े, वी. आर. (2021, 8 दिसंबर), स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भागीदारी पर महात्मा गांधी का दृष्टिकोण।
3. टीम, एस. (2017, 2 अक्टूबर), महिलाओं और उन्हें समाज में बराबरी का दर्जा दिलाने पर महात्मा गांधी।
4. पाटगिरी, आर. (2020), महिलाओं और सामाजिक न्याय के प्रति गांधी का दृष्टिकोण।
5. पटेल, वी.एन. (2021, 25 दिसंबर), गांधी और महिला सशक्तिकरण के लिए उनका दृष्टिकोण।
6. थीपा, एस. (2020, 1 जनवरी), शिक्षा में गांधी का योगदान।
7. घोष, ए.के. (2022, 21 नवंबर), भारत की संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व, प्रगति को मापना, बाधाओं का विश्लेषण करना।